महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का उमरी (मेघे) में उदघाटन

शिविर से प्रतिकूल परिस्थितियों में जीने का कौशल आता है - एन. एस. सुब्बाराव

वर्धा दि. 11 मार्च 2015: राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर के माध्यम से प्रतिकूल परिस्थितियां एवं अभाव में जीवन जीने का कौशल, स्वावलंबन तथा क्षमता को विकसित किया जा सकता है। श्रम के प्रति निष्ठा एवं कर्तव्यबोध की भावना स्वयंसेवकों में जागरूक कर उनमें रचनात्मक दृष्टि उत्पन्न की जा सकती है। देश के ग्रामीण जीवन की प्रत्यक्ष अनुभूति को जानने-समझने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर असरकारी साबित होते हैं। उक्त प्रतिपादन राष्ट्रीय सेवा योजना के संस्थापक एन. एस. सुब्बाराव ने व्यक्त किए। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर-2015 के उदघाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उनके द्वारा बुधवार को वर्धा जिले के उमरी (मेघे) गांव स्थित श्री शंकर देवस्थान में विशेष शिविर का उदघाटन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकीकरण संस्थान के निदेशक डॉ. प्रफुल्ल काले, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुप्रिया पाठक, बी. एस. मिरगे मंचासीन थे।

अध्यक्षीय संबोधन में प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहा कि शिक्षा को वास्तविक अर्थो में समाज से जोडने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर महती भूमिका निभाते रहे हैं। इससे शिविरार्थियों में सहभागिता और सामाजिक बंधुत्व का भाव विकसित होता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि शिविर के माध्यम से ग्रामीण समाज में शिक्षा, स्वच्छता, साक्षरता आदि के प्रति जागरूकता का वातावरण बनेगा। उदघाटन समारोह में अतिथियों का स्वागत एवं परिचय डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी ने किया। प्रास्ताविक बी. एस. मिरगे ने किया। संचालन रासेयो स्वयंसेवक रॉकी ने किया तथा आभार डॉ. सुप्रिया पाठक ने माना। शिविर में 50 से अधिक स्वयंसेवक शामिल हुए हैं।

पांच दिवसीय शिविर में स्त्री स्वयंसिद्ध, राष्ट्रीय सेवा योजना : एक राष्ट्रीय कर्म, निरक्षरता संबंधी जनजागृति, ग्राम स्वच्छता : सामाजिक दायित्व, स्वाइन फ्लू से बचाव, व्यक्तित्व विकास एवं आत्मरक्षा, अंधविश्वास एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण, व्यसन मुक्ति के उपाय, मानसिक स्वास्थ्य में योग का महत्व, पंचायती राज व्यवस्था एवं ग्रामीण विकास, ग्रामपयोगी विज्ञान की उपयोगिता, संक्रामक रोगों से बचाव, ग्राम विकास में सामाजिक सौहार्द आदि विषयों पर मार्गदर्शन एवं चर्चाएं आयोजित की जाएगी। प्रत्येक दिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया

जाएगा जिसमें लोकगीत, भजन, खंजेरी वादन, लोक-नृत्य, स्वयंस्फूर्त प्रतियोगिता एवं अंताक्षरी आदि की प्रस्तुतियां होंगी। शिविर में विश्वविद्यालय के प्रो. सूरज प्रसाद पालीवाल, प्रो. अनिल कुमार राय, प्रो. सुरेश शर्मा, प्रो. मनोज कुमार, जिलाधिकारी एन. नवीन सोना, जिला परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजय मीणा, पोलिस उप-अधीक्षक आर. जी. किल्लेकर, सेवाग्राम मेडिकल कॉलेज की डॉ. अनुपमा गुप्ता, डॉ. प्रवीण सातपुते, डॉ. धनंजय सोनटक्के, डॉ. विनोद मुरकुटे, डॉ. कल्पना दुबे, डॉ. सतीश पावडे, डॉ. वाजपेयी, संजय इंगले तिगांवकर, डॉ. भरत राठी, प्रा.अल्पना वनमाली, डॉ. सोहम पंडया आदि विविध विषयों पर मार्गदर्शन एवं संबोधन करेंगे।

विशेष शिविर का समापन रविवार दि. 15 मार्च को दोपहर 12.00 बजे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा किया जाएगा। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. देवराज तथा शिक्षा विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. अरबिंद कुमार झा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

हिंदी विश्वविद्यालयातील राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विशेष शिबिराचे उमरी (मेघे) येथे उदघाटन

शिबिरातून प्रतिकूल परिस्थितित जगण्याचे कौशल्य येते -एन. एस. सुब्बाराव

वर्धा दि. 11 मार्च 2015: राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या शिबिराच्या माध्यमातून प्रतिकूल परिस्थिती आणि अभावामध्ये जीवन जगण्याचे कौशल्य, स्वावलंबन आणि क्षमता विकसित केली जाते. शिबिरातून श्रमाप्रति निष्ठा आणि कर्तव्यबोधाची भावना स्वयंसेवकांमध्ये जागृत करुन त्यांच्यात रचनात्मक दृष्टी उत्पन्न करता येते. देशातील ग्रामीण जीवनाची प्रत्यक्ष अनुभूती घेवून ते जाणून घेण्यासाठी राष्ट्रीय सेवा योजनेचे शिबिर महत्वाची भूमिका बजावते असे प्रतिपादन राष्ट्रीय सेवा योजनेचे संस्थापक एन. एस. सुब्बाराव यांनी केले. ते महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विशेष शिबिराच्या उदघाटन प्रसंगी बोलत होते. सुब्बाराव यांच्या हस्ते बुधवारी वर्धा जिल्हयातील उमरी (मेघे) मधील श्री शंकर देवस्थानात बुधवार दि. 11 मार्च रोजी विशेष शिबिराचे उदघाटन करण्यात आले. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी प्र-कुलगुरु प्रो. चित्तरंजन मिश्र होते. विशिष्ट अतिथी म्हणून महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकीकरण संस्थेचे निदेशक डॉ. प्रफुल्ल काले, राष्ट्रीय सेवा योजनेचे संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुप्रिया पाठक, बी. एस. मिरगे यावेळी मंचावर उपस्थित होते.

प्रो. चित्तरंजन मिश्र म्हणाले, शिक्षणाला वास्तविक अर्थाने समाजाशी जोडण्याकरिता राष्ट्रीय सेवा योजनेचे शिबिर महत्वाची भूमिका बजावतात. यामुळे शिबिरार्थ्यांमध्ये सहभागितेची भावना निर्माण होते. ग्रामीण समाजात शिक्षण, स्वच्छता, साक्षरता यांच्याप्रती जागरूकतेचे वातावरण उत्पन्न करण्यासाठी हे शिबिर कारणीभूत ठरेल अशी अपेक्षा त्यांनी व्यक्त केली. उदघाटन कार्यक्रमात पाहुण्यांचे स्वागत डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी यांनी केले. प्रास्ताविक बी. एस. मिरगे यांनी केले. संचालन रासेयो स्वयंसेवक रॉकीने केले तर आभार डॉ. सुप्रिया पाठक यांनी मानले. शिबिरात 50 हून अधिक विद्यार्थी सहभागी झाले.

पाच दिवसीय शिबिरात स्त्री स्वयंसिद्ध, राष्ट्रीय सेवा योजना एक राष्ट्रीय कर्म, निरक्षरते संबंधी जनजागृती, ग्राम स्वच्छता : सामाजिक दायित्व, स्वाइन फ्लूपासून बचाव, व्यक्तिमत्व विकास आणि आत्मरक्षा, अंधश्रद्धा आणि वैज्ञानिक दृष्टिकोण, व्यसन मुक्तिचे उपाय, मानसिक आरोग्यात योगाचे महत्व, पंचायती राज व्यवस्था आणि ग्रामीण विकास, ग्रामपयोगी विज्ञानाची उपयोगिता, संक्रामक आजारांपासून बचाव, ग्राम विकासात सामाजिक सौहार्द इत्यादी विषयांवर मार्गदर्शन आणि चर्चा आयोजित करण्यात येतील. दररोज सायंकाळी सांस्कृतिक कार्यक्रमात लोकगीत, भजन, खंजेरी वादन, लोक-नृत्य, अंताक्षरी इत्यादी कार्यक्रम सादर करण्यात येतील. शिविरात प्रो. सूरज प्रसाद पालीवाल, प्रो. अनिल कुमार राय, प्रो. सुरेश शर्मा, प्रो. मनोज कुमार, जिल्हाधिकारी एन. नवीन सोना, जिला परिषदेचे मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजय मीणा, पोलिस उप-अधीक्षक आर. जी. किल्लेकर, सेवाग्राम मेडिकल कॉलेजच्या डॉ. अनुपमा गुप्ता, डॉ. प्रवीण सातपुते, डॉ. धनंजय सोनटक्के, डॉ. विनोद मुरकुटे, डॉ. कल्पना दुबे, डॉ. सतीश पावडे, डॉ. वाजपेयी, संजय इंगळे तिगांवकर, डॉ. भरत राठी, प्रा.अल्पना वनमाली, डॉ. सोहम पंडया इत्यादी वक्ते मार्गदर्शन करतील.

विशेष शिविराचा समारोप कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांच्या हस्ते 15 मार्च रोजी दुपारी 12.00 वा. करण्यात येईल. यावेळी प्रो. देवराज आणि प्रो. अरबिंद कुमार झा विशिष्ट अतिथी म्हणून उपस्थित राहतील.